शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

झारखण्ड विधान सभा के विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई महत्वपूर्ण राजनेता, साहित्यकार, पर्यावरणविद् एवं खिलाड़ी गुजर गए। इनमें से कल्याण सिंह, साईमन मरांडी, बंदी उराँव, लक्ष्मण गिलुवा, प्रो0 दुखा भगत, दिलीप कुमार, मिल्खा सिंह, सुन्दरलाल बहुगुणा, नरेन्द्र कोहली, गिरधारी राम गोंझू तथा गोपाल दास प्रमुख हैं।

झारखण्ड गठन के अग्रिम पंक्ति के नेताओं में से एक साईमन मरांडी का दिनांक 12 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। दो बार के सांसद और पाँच बार विधायक रहे झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष स्व0 मरांडी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य थे। साईमन मरांडी ने वर्ष 1977 में लिट्टीपाड़ा विधान सभा से पहली बार चुनाव जीता। स्व0 मरांडी ने 1977, 1980, 1985, 2009 एवं 2017 में लिट्टीपाड़ा विधान सभा क्षेत्र का नेतृत्व किया। 1989 एवं 1991 में वे राजमहल लोक सभा क्षेत्र से सांसद चुने गये। स्व0 मरांडी कुशल राजनेता होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे।

कॉंग्रेस नेता और एकीकृत बिहार के पूर्व मंत्री बंदी उराँव का दिनांक 5 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 उराँव वर्ष 1980, 1985, 1990 एवं 1995 में सिसई विधान सभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। बिहार सरकार में योजना मंत्री होने के साथ ही केन्द्रीय अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे। स्व0 उराँव ने अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद् का गठन किया। स्व0 बंदी उराँव आदिवासियों के अधिकारों के पैरोकार थे।

राज्य के वरिष्ठ नेताओं में एक लक्ष्मण गिलुवा का निधन दिनाक 28 अप्रैल, 2021 को हो गया। वे दो बार सांसद और दो बार विधायक चुने गये। स्व0 गिलुवा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। इनकी पहचान एक अच्छे संगठनकर्ता और जुझारू नेता के रूप में थी।

माकपा के पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह मुण्डा का दिनांक 18 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 मुण्डा 1977, 1980 एवं 1995 में सिल्ली विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। स्व0 मुण्डा का जीवन किसान एवं मजदूरों के लिए संघर्ष करते हुए बीता।

सिमडेगा के पूर्व कॉग्रेस विधायक नियेल तिर्की का दिनांक 14 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 तिर्की 03 बार सिमडेगा विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दुति पाहन का दिनांक 09 अगस्त, 2021 को निधन हो गया। स्व0 पाहन अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। स्व0 पाहन एकीकृत बिहार में विधान परिषद् के सदस्य तथा 1990 एवं 1995 में खिजरी विधान सभा क्षेत्र का नेतृत्व किया।

वर्ष 1980, 2000 और 2005 में चंदनकियारी विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले हारू रजवार का दिनांक 19 मई, 2021 को निधन हो गया। वे झारखण्ड आंदोलन से भी जुड़े थे।

पोटका विधान सभा से दो बार निर्दलीय विधान सभा सदस्य रहे सनातन मांझी का दिनांक 29 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 मांझी झारखण्ड आंदोलनकारी नेता थे।

संथाल परगना के महेशपुर से दो बार कॉग्रेस विधायक रहे कालिदास मुर्मू का दिनांक 01 मई, 2021 को निधन हो गया। उन्होंने 1972 और 1990 में महेशपुर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी पहचान एक मृदुभाषी, जुझारू और संघर्षशील नेता के रूप में थी।

वर्ष 1985 से 1990 तक हजारीबाग से कॉंग्रेस के विधायक रहे श्री एच0एच0 रहमान का दिनांक 02 मई, 2021 को निधन हो गया। वे बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे।

राजमहल विधान सभा क्षेत्र का वर्ष 2000 एवं वर्ष 2009 में नेतृत्व करने वाले भाजपा के पूर्व विधायक अरूण मंडल जी का दिनांक 21 जून, 2021 को निधन हो गया।

जामताड़ा के पूर्व विधायक विष्णु भैया का दिनांक 03 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह का दिनांक 06 मई, 2021 को निधन हो गया। स्व0 सिंह छः बार बागपत संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व किया। 2001 में कृषि मंत्री एवं 2011 में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रहे। स्व0 सिंह देश के प्रमुख किसान नेताओं में से एक थे। उनके निधन से हमें गहरा आघात हुआ है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का दिनांक 21 अगस्त, 2021 को निधन हो गया। वे 1967 में अतरौली विधान सभा से पहली बार विधान सभा सदस्य बने। इसके बाद वर्ष 2002 तक 10 बार विधायक चुने गये। 2004 एवं 2009 में लोक सभा के सदस्य रहे तथा हिमाचल प्रदेश एवं राजस्थान के राज्यपाल भी बने। वे कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक रचनाकार और संवेदनशील व्यक्ति थे। उनके निधन से भारतीय राजनीति के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे जगमोहन का दिनांक 03 मई, 2021 को निधन हो गया। वे दिल्ली और गोवा के उप राज्यपाल भी रहे।

कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व राज्यपाल रघुनंदन लाल भाटिया का दिनांक 14 मई, 2021 को निधन हो गया। वर्ष 2008 से वर्ष 2009 तक स्व0 भाटिया बिहार के राज्यपाल रहे।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया का दिनांक 19 मई, 2021 को निधन हो गया। उन्होंने एक प्रख्यात राजनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई थी।

गुजरात और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल अंशुमान सिंह का दिनांक 08 मार्च, 2021 को निधन हो गया।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कॉंग्रेस नेता वीरभद्र सिंह का दिनांक 08 जुलाई, 2021 को निधन हो गया।

झारखण्ड के पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं लोहरदगा से सांसद रहे प्रो0 दुखा भगत का दिनांक 23 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 भगत कुड़ुख भाषा में कई पुस्तकें भी लिखीं।

पलामू के पूर्व सांसद जोरावर राम का दिनांक 03 मई, 2021 को निधन हो गया। स्व0 राम, कर्पूरी ठाकुर मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री भी रहे। पिछड़ों एवं अनुसूचित जाति, जनजाति के उत्थान के लिए जीवन भर प्रयासरत् रहे।

राजद के पूर्व सांसद मो0 शहाबुद्दीन का दिनांक 01 मई, 2021 को निधन हो गया। उन्होंने 1990 और 1995 में जीरादेई विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

मध्य प्रदेश के खंडवा लोकसभा से सांसद नंद कुमार सिंह चौहान का दिनांक 02 मार्च, 2021 को निधन हो गया।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा के सांसद रामस्वरूप शर्मा का दिनांक 17 मार्च, 2021 को निधन हो गया।

कॉंग्रेस नेता और राज्य सभा सदस्य राजीव सातव का दिनांक 16 मई, 2021 को निधन हो गया। वह हिंगोली से 16वीं लोक सभा के सदस्य रहे।

पूर्व सांसद और बी0एन0 मंडल विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ0 रमेन्द्र कुमार यादव रवि का दिनांक 14 मई, 2021 को निधन हो गया। डॉ0 रवि विधायक, लोक सभा व राज्य सभा के सदस्य तथा बी0एन0 मंडल विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति रहे। एक कुशल वक्ता, साहित्यकार, शिक्षाविद् व राजनीतिज्ञ के तौर पर उनकी पहचान रही। 1981 से 1989 तक वे सिंहेश्वर से विधायक एवं 1989 में उन्होंने मधेपुरा सीट से संसदीय चुनाव जीता था।

बिहार विधान परिषद के पूर्व सभापति एवं शिक्षाविद् प्रो0 अरूण कुमार का दिनांक 14 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। 1984 से 1986 तक बिहार विधान परिषद् के सभापति तथा 2006 से 2009 तक विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति भी रहे।

बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री और जदयू विधायक डॉ0 मेवा लाल चौधरी का दिनांक 19 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। वह मुंगेर के तारापुर विधान सभा क्षेत्र से दो बार निर्वाचित हुए थे।

राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेत्री और बिहार के अतरी विधान सभा क्षेत्र से दो बार की विधायक रही कुंती देवी का दिनांक 22 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

वरिष्ठ कॉंग्रेसी नेता एवं बिहार के पालीगंज के पूर्व विधायक जनार्दन शर्मा का दिनांक 12 अगस्त, 2021 को निधन हो गया।

बिहार के अमरपुर के पूर्व विधायक जनार्दन मांझी का दिनांक 20 जुलाई, 2021 को निधन हो गया। वे बांका जिला के बेलहर विधान सभा

क्षेत्र से 2005 में पहली बार विधायक बने और 2010 एवं 2015 में अमरपुर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

बिहार के कुशेश्वर स्थान से जदयू विधायक रहे शशिभूषण हजारी का दिनांक 01 जुलाई, 2021 को निधन हो गया।

दो बार के विधायक रहे रामेश्वर प्रसाद यादव का दिनांक 01 जून, 2021 को निधन हो गया। उन्होंने पहली बार सिंहेश्वर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

बिहार के पूर्व मंत्री एवं राजद नेता रामविचार राय का निधन दिनांक 12 मई, 2021 को हो गया। उन्होंने मुजफ्फरपुर के साहेबगंज विधान सभा क्षेत्र का चार बार प्रतिनिधित्व किया था।

मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश जोशी का दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

एकीकृत बिहार में स्नातक क्षेत्र से तीन बार विधान पार्षद रहे कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता बसंत लाल का दिनांक 26 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। वे लगातार 18 वर्षों तक विधान पार्षद रहे।

हिन्दी फिल्मों के महानायक दिलीप कुमार का दिनांक 07 जुलाई, 2021 को निधन हो गया। स्व0 कुमार ने अपना पूरा जीवन चलचित्र को समर्पित किया था। उन्हें पद्म भूषण, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, फिल्म फेयर का लाईफ टाईम एचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया। वर्ष 2000 से वर्ष 2006 तक राज्य सभा सांसद रहे। वे भारतीय सिनेमा में सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाले अभिनेता रहे।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् तथा चिपको आंदोलन के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा का निधन दिनांक 21 मई, 2021 को हो गया। पद्म भूषण से सम्मानित बहुगुणा ने 70 के दशक में मशहूर चिपको आंदोलन चलाया था।

महात्मा गाँधी के अनुयायी रहे बहुगुणा ने हिमालय और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई बार पद यात्राएँ भी कीं। उन्हें पद्मश्री सम्मान, वृक्ष मित्र सम्मान, जमुनालाल बजाज पुरस्कार, चिपको आंदोलन के लिए लाइवलीहुड पुरस्कार, सरस्वती सम्मान समेत अनेकों पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया था।

फ्लाईंग सिक्ख के नाम से मशहूर महान भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह का दिनांक 18 जून, 2021 को निधन हो गया। एशियन गेम्स में 04 गोल्ड सहित कॉमनवेल्थ गेम्स एवं नेशनल गेम्स में पदक हासिल किया। 80 अंतराष्ट्रीय स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर 77 पदक जीतने में सफल रहे। स्व0 सिंह के निधन से खेल जगत में अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्व एटार्नी जनरल सोली जहाँगीर सोराबजी का दिनांक 30 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। पद्म विभूषण से सम्मानित सोराबजी प्रसिद्ध मानवाधिकार वकील थे। उन्होंने मानवाधिकारों की जोरदार वकालत की।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 नरेन्द्र कोहली का दिनांक 17 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। हिन्दी साहित्य के सभी विधाओं का अनुभव रखने वाले स्व0 कोहली को हिन्दी साहित्य में महा काव्यात्मक उपन्यास लिखने का श्रेय जाता है।

डोगरी भाषा की पहली आधुनिक कवयित्री और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित पद्मा सचदेव का दिनांक 04 अगस्त, 2021 को निधन हो गया। उन्होंने डोगरी और हिन्दी में कई किताबें लिखीं।

पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बंगाली कवि शंख घोष का दिनांक 21 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 घोष को ज्ञानपीठ, पद्म भूषण, सरस्वती सम्मान और राष्ट्रीय अकादमी सम्मान से भी सम्मानित किया गया था।

प्रमुख शास्त्रीय गायक पद्म भूषण पंडित राजन मिश्र का दिनांक 23 मई, 2021 को निधन हो गया।

बांग्ला भाषा के लेखक बुद्धदेव गुहा का दिनांक 29 अगस्त, 2021 को निधन हो गया। बांग्ला भाषा में उनके योगदान के लिए 1976 में आनंद पुरस्कार, शिरोमन पुरस्कार और शरत पुरस्कार से उन्हें नवाजा गया।

बिहार के रोहतास जिले में जन्मे साहित्यकार डॉ0 भगवती शरण मिश्र का निधन दिनांक 27 अगस्त, 2021 को हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत को गहरा आघात लगा है।

प्रख्यात् शिक्षाविद् नागपुरी साहित्यकार और संस्कृतिकर्मी राम गोंझू गिरिराज का दिनांक 15 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया। स्व0 गोंझू को झारखण्ड रत्न, प्रफुल्ल सम्मान, अखाड़ा सम्मान सहित अनेक सम्मान से सम्मानित किया गया था। स्व0 गोंझू, डॉ0 रामदयाल मुण्डा की तरह झारखण्डी अस्मिता और संस्कृति के पुनर्जागरण के अग्रदूतों में से एक थे।

मलूटी को राष्ट्रीय फलक पर लाने वाले गोपाल दास मुखोपाध्याय का दिनांक 25 अगस्त, 2021 को निधन हो गया। इन्होंने मलूटी के मंदिरों के संरक्षण एवं उनके इतिहास लेखन का कार्य किया।

संथाली समाज की विद्या की देवी बिदु चांदन के पारम्परिक वाद्य यंत्र और लोक संगीत के क्षेत्र में संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने में अहम् भूमिका निभाने वाले कीनू सूरज टूडू का दिनांक 19 जून, 2021 को निधन हो गया। वे संथाल यंत्र बनाम और कई अन्य आदिवासी वाद्य यंत्र बजाने वाले विशेषज्ञ थे।

आदिवासियों के अधिकार की लड़ाई लड़ने वाले फादर स्टेन स्वामी का दिनांक 05 जुलाई, 2021 को निधन हो गया। स्व0 स्टेन स्वामी आदिवासी दलित और वंचितों के अधिकारों के लिए निरंतर काम करते रहे।

विश्व कप सहित अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले और 1965 तथा 1971 में भारत-पाक युद्ध में जांबाज सैनिक की भूमिका निभाने वाले गोपाल भेंगरा का दिनांक 09 अगस्त, 2021 को निधन हो गया।

परमवीर चक्र विजेता अलबर्ट एक्का की धर्म पत्नी बलमदीना एक्का का दिनांक 15 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

पूर्व राज्य सभा सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार चंदन मित्रा एवं मशहूर टी0वी0 कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला का दिनांक 02 सितम्बर, 2021 को निधन हो गया।

इसके अतिरिक्त उत्तराखंड के चमोली में हुए हिम स्खलन के कारण झारखण्ड के 15 लोगों की मृत्यु हो गई। फ्रंट लाईन वारियर्स की भूमिका निभाने वाले राज्य के 17 पत्रकारों एवं 28 पुलिसकर्मी की जान कोरोना की दूसरी लहर में चली गयी।

महाराष्ट्र में आई बाढ़ से 149 लोगों की मौत होने के साथ ही हिमाचल प्रदेश के कन्नूर जिले में 9 लोगों की मौत की काफी दुःखद सूचना की प्राप्ति हुई है।

मैं तमाम दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इनके परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता प्रदान करें।